आयरन-फोर्टफिाइड चावल से आयरन की अधकि मात्रा हो सकती है: रपिोर्ट

चर्चा में क्यों?

20 जून, 2022 को छत्तीसगढ़ के चार ज़लिों के 11 गाँवों का दौरा करने के बाद एक तथ्य-खोज रपिोर्ट जारी करते हुए आशा (अलायंस फॉर सस्टेनेबल एंड होलसि्टकि एग्रीकल्चर) कवतिा कुरुगंती ने कहा कि आयरन-फोर्टफिाइड चावल से आयरन की अधकिता हो सकती है।

प्रमुख बदिु

- बस्तर, कोंडागाँव, सरगुजा और कोरबा के पाँच ब्लॉकों के 11 गाँवों का दौरा करने के बाद यह रपिोर्ट जारी करते हुए कुरुगंती ने कहा कि छत्तीसगढ़ धान उत्पादन में आत्मनरि्भर है और एक वकिेंद्रीकृत खरीद प्रणाली भी है।
- उन्होंने कहा कि राज्य में चावल फोर्टफिकिेशन योजना की बड़े पैमाने पर स्केलगि का वास्तव में कोई आधार नहीं है, जहाँ छत्तीसगढ़ पूरे देश में वतिरति कयि जा रहे सभी फोर्टफिाइड चावल का 25-45 प्रतशित अभी वतिरति कर रहा है।
- रपिोर्ट के अनुसार कोंडागाँव ज़लिे में न तो प्रायोगकि कार्य पूरा कयिा गया है, न ही मूल्यांकन कयिा गया है और परणिाम सार्वजनकि जाँच के लयि रखे गए हैं, लेकनि इसे बढ़ाकर 12 ज़लिों में कर दयिा गया।
- भोजन का अधकिार अभयिान (आरटीएफसी) छत्तीसगढ़ की संगीता साहू ने कहा कि पायलट मूल्यांकन न केवल प्रभावकारति का, बल्कि सुरक्षा का भी हो सकता है।
- उन्होंने कहा कि सकिलसेल वकिार, थैलेसीमयिा, तपेदकि (टीबी) जैसी बीमारयिों के बोझ के साथ, छत्तीसगढ़ को सार्वजनकि योजनाओं में आयरन-फोर्टफिाइड चावल की केंद्र की अवैज्ञानकि और जोखमि भरी नीति से बाहर नकिलना चाहयि।
- छत्तीसगढ़ में पहले से ही लगभग 1.5 लाख व्यक्तयिों के सकिलसेल वकिारों का उच्च रोग भार है। राज्य में थैलेसीमयिा, मलेरयिा और तपेदकि भी प्रचलति हैं।
- उन्होंने कहा कि राज्य में पहले से ही कुछ अनुकरणीय और अनूठी पहलें हैं, जैसे- एक समग्र, ववििधिता से भरपूर, खाद्य-आधारति 'सुपोषण अभयिान', 'नरवा, गरुवा, घुरुवा और बाड़ी' (एनजीजीबी) और 'गोधन न्याय योजना' आदि।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/iron-fortified-rice-may-contain-high-amounts-of-iron-report